ये मोरछड़ी बाबा की | by Mamta Bharti

ये मोरछड़ी बाबा की मेरे साथ में रहे
ज़रा तूफानों से कह दो कि औकात में रहें

नहीं मोरछड़ी मामूली जिसको श्याम पकड़ कर बैठा
देव जहाँ में जितने सबसे बढ़ चढ़ कर के बैठा
जो हाथ हैं सबसे लम्बे उस हाथ में रहे
ज़रा तूफानों से कह दो कि औकात में रहें

देखा जो करिश्मा इनका हमें हुआ भरोसा पूरा
बिगड़ी बात बनाये छोड़े काम ना कोई अधूरा
हम आँखें मीचे मस्ती में दिन रात में रहें
ज़रा तूफानों से कह दो कि औकात में रहें

हम भक्त हैं श्याम धणी के और मोरछड़ी दीवाने
जब भी देखें इसको तो लगते हैं सर को झुकाने
रहे श्याम धणी मेरे दिल में और आँख में रहे
ज़रा तूफानों से कह दो कि औकात में रहें

गर नहीं भरोसा तुमको तो टकरा कर के देखो
बनवारी मुड़ जायेंगे तुम घबराकर के देखो
ताक़त तूफां से लड़ने की हर पाख में रहें
ज़रा तूफानों से कह दो कि औकात में रहें

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a4%9b%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%80-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%80-by-mamta-bharti/